



Py 781
5/12/81

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 237]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 31, 1980/पौष 10, 1902

No. 237] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 31, 1980/PAUSA 10, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. : 53-ITC(PN)/80

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1980

विषय भारतीय आयातकों का उधार देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक
को संयुक्त राज्य एक्जिम बैंक की 8.5 मिलियन यू.एस.
डॉलर की क्रेडिट लाइन के प्रति पूंजीगत माल के आयात के
लिये क्रियाविधि।

विमिल सं. आई.पी.सी. 23(11)/80—यू.एस. एक्जिम बैंक ने
भारतीय स्टेट बैंक को 8.5 मिलियन यू.एस. डॉलर की धनराशि के लिए
क्रेडिट साधन उपलब्ध कराई है जिसका उपयोग संयुक्त राज्य अमेरिका
में निमित्त/मूल रूप से उद्गम के वैश्वीय पूंजीगत उपस्कर के संयुक्त
राज्य दोनों अमेरिका में निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के भारतीय
आयातकों द्वारा किये जाने वाले आयातों के लिये वित्तियन में सहायता
के लिये भारतीय स्टेट बैंक द्वारा किया जायेगा।

2. इस क्रेडिट लाइन के अधीन एक्जिम बैंक द्वारा ऋण का
अनुमोदन करने के लिये अन्तिम दिनांक 31-8-1981 है और
भुगतान के लिए अन्तिम दिनांक 31-8-1984 है।

3. औद्योगिक एककों द्वारा अपनी नवी परिव्ययोजनाओं के लिए अपेक्षित
संयुक्त राज्य अमेरिका में निमित्त/मूल रूप से उत्पादित पूंजीगत उपस्कर के
आयातों की लागत के किसी भाग के वित्तियन के लिये और उनके

विस्तार, विविधीकरण, प्राधुनिकीकरण आदि के लिये वित्तियन के लिये
यह ऋण भारतीय स्टेट बैंक द्वारा औद्योगिक एककों को प्रदान किया
जायेगा। एक्जिम बैंक के अधीन भुगतान उपस्कर की क्रय कीमत
के 85% से अधिक नहीं किया जायेगा और आयातकों को क्रय कीमत
के कम से कम 15% का नकद भुगतान करना होगा।

4. संबंधित मर्चों की आगत के लिए एक्जिम बैंक द्वारा नियत की गई
न्यूनतम सीमा 200,000 यू.एस. डॉलर है।

5. अन्तिम किश्त को छोड़कर भुगतान के लिये प्रत्येक आवेदन
कम से कम 1,00,000 यू.एस. डॉलर के लिये होगा।

6. इस क्रेडिट के अधीन वित्तियन किये गये आयात लाइसेंसों के
निर्गमन को नियंत्रित करने वाले शर्तों नीचे उल्लेख की जाती हैं :-

- (1) उधार देने वाले एकक के आकार/आयात लाइसेंस के मूल्य
को ध्यान में न रखते हुए इस क्रेडिट के लिये पूंजीगत
माल के आयात के लिये आवेदनपत्रों पर पूंजीगत माल समिति/
पूंजीगत माल नदर्थ समिति द्वारा विचार किया जायेगा।
- (2) इस क्रेडिट के अन्तर्गत सुविधा का उपयोग करने के इच्छुक
औद्योगिक एकक ऋण की मंजूरी के लिये भारतीय स्टेट बैंक
को किसी भी शाखा से माँगे हों य. करने निजी बैंक के
माध्यम से आवेदन करेंगे।
- (3) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात आवेदक को केवल तब आयात
लाइसेंस जारी करेंगे जबकि पूंजीगत माल समिति/जीगत
माल नदर्थ समिति द्वारा पूंजीगत माल के आयात की निकासी

कर दी गई हो और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा क्रेडिट लाइन के अन्तर्गत ऋण की मंजूरी कर दी गई हो।

- (4) प्रत्येक आयात लाइसेंस में "यू.एस. एंजिम बैंक/भारतीय स्टेट बैंक ऋण" पंक्तिगत बिन्दु होगा, इसके बाद लाइसेंस जारी होने का वर्ष और उसके बाद जो क्रम सख्या देनी हो वह क्रमानुसार होगी। प्रत्येक लाइसेंस में यह अनुबध्दित होगा कि आयात लाइसेंस के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट किया जाने वाला माल सयुक्त राज्य अमरीका से प्राप्त किया गया होना चाहिये।
- (5) आयात लाइसेंस इस संधि में पृष्ठांकित किया जायेगा कि माल के मूल्य के 15% का परेषण स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा में से सामान्य बैंक मुद्रा के माध्यम से परेषित किया जायेगा और शेष 85% भारतीय स्टेट बैंक एंजिम क्रेडिट लाइन के अन्तर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण से से चुकाया जायेगा।
- (6) आयात लाइसेंस प्राप्त करने के पश्चात्, आयातक को ऋण की लाइन में से विदेशी मुद्रा का प्राप्ति के लिये भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय विभाग में से संपर्क स्थापित करना पड़ेगा।
- (7) प्रत्येक आदेश, आयात लाइसेंस जारी होने की तारीख से 4 मास के भीतर लागत-बोमा-भाड़ा या लागत तथा भाड़ा के आधार पर अग्रिम दिये जाने चाहिये। यदि प्रायात लाइसेंस के अधीन एक से अधिक क्रय आदेश/सन्धिवा की जाती हैं तो प्रत्येक ऐसे क्रय आदेश/सन्धिवा पर पड़कत चिह्न होना चाहिये।

यदि चार मास की अवधि के भीतर आदेश नहीं दिये जाते हैं तो लाइसेंसधारी को तत्पश्चात् ही (अर्थात् पाँचवें मास के प्रथम सप्ताह में) लाइसेंस प्राधिकारियों के पास आदेश देने की अवधि में उद्युक्त समय वृद्धि के लिये उचित औचित्य देते हुए आवेदन करना चाहिये। लाइसेंस प्राधिकारी गुण-वर्ष के आधार पर आवेदनपत्र पर विचार करने के बाद उचित दिनांक तक आदेश देने के लिये वैधता अवधि बढ़ाएगा।

उन मामलों में जहां चार मास की अवधि के लिये भारत लाइसेंस के पूरे मूल्य के लिये आदेश न दिये गये हों तो वहां उस शेष मूल्य के लिये आदेश देने के लिये समय वृद्धि समाप्त करनी होगी जो चार मास की निर्धारित अवधि के भीतर दिये गये आदेश के अन्तर्गत न आता हो।

- (8) आयात लाइसेंस 12 मास की प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिये जरा किया जायेगा और इसके भीतर लदान पूरे हो जाने चाहिये।
- (9) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी इस बात का निश्चय करने के लिये आवश्यक ज्ञान पड़ता है कि लाइसेंसधारी इस संबंध में कोई भी साख्खपत्र खोलने से पूर्व 4 मास (या लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा स्वीकृत कितनी भी बढ़ाई गई अवधि) के भीतर आदेश देने की आवश्यकताओं का अनुपालन करता है या नहीं।
- (10) वित्तदान की गई मदों का उपयोग भारत में किया जाना चाहिये और उनका निर्यात किसी भी अन्य देश को नहीं किया जाना चाहिये।

7. लाइसेंस के अधीन भुगतान

- (क) माल तथा सेवाओं के लिये भुगतान, नीचे की कड़िका 8 में में उल्लिखित क्रियाविधि के अनुसार किये जाने चाहिये। विदेशी संभरकों के साथ पूर्ण की गई सन्धिवाओं में नीचे की कड़िका 8 में यथा-निर्धारित अनुसार, भुगतान के खात का और भारतीय स्टेट बैंक, न्यूयार्क को संभरकों द्वारा भेज

जाने वाले आवश्यक दस्तावेज का भी विशेष रूप से उल्लेख होना चाहिये।

- (ख) अधिप्राप्त किये गये माल की कीमत के लिये भुगतान यू.एस. डालर में किये जायेंगे।
- (ग) भारतीय अधिकारियों के समीक्षण के प्रति भुगतान भारतीय रुपय में किये जाते हैं। लेकिन, यह आयात लाइसेंस के लिए, किये जायेंगे।
- (घ) लदान युनाइटेड स्टेट्स रजिस्ट्री के पोलों पर तब तक किये जाने चाहिये जब तक कि युनाइटेड स्टेट्स मैरिटाइम एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा इस आवश्यकता को हटा नहीं दिया जाता। यद्यपि यू.एस. डालर पाता पर लदान की अनुमति के लिये छूट प्रदान कर भी दी जाती है तो भी यू.एस. डालर पर भाड़े की लागत विनिर्दान के लिये अपात्र है। लाइसेंसधारियों को चाहिये कि सभरका के साथ की गई अपनी सन्धिवाओं में इसका उल्लेख करें। ऐसी छूट प्राप्त करने की स्थिति में सर्वप्रथम उस सीमा तक भारतीय पाता पर मदों के लदान के सिमे प्रयत्न किये जाने चाहिये जिस सीमा तक ऐसे पोत प्रतियोगिता और उचित भाड़े की दर पर उपलब्ध हों। भारतीय ध्वज वाले पोता द्वारा ले जाये जाने वाले सामान के संध में भुगतान भारतीय रुपयों में किये जाते हैं। लेकिन, यह भुगतान आयात लाइसेंस के मूल्य के नामे डाल दिया जायेगा।
- (ङ) पाललदान की गई मदों पर उनके मूल्य के 100% का गम्टी और पारगमन जोखिम के प्रति बोमा प्राप्त किया जाना चाहिये। इन जोखिमों के प्रति बोमों किस्त केवध उन बोमा नीतियों के संध में विनिर्दान किये जाने के लिये वाछनीय होंगे जो डालर में चुकाने योग्य हों और सयुक्त राज्य अमरीका में वहा की कम्पनियों के साथ की गई हो।

8. भुगतान क्रियाविधि के विस्तृत व्योरे

- (1) सयुक्त राज्य अमरीका के सभरकों को भुगतान भारत में भारतीय स्टेट बैंक की किता भी शाखा जो भारतीय स्टेट बैंक, न्यूयार्क द्वारा सभरकों को मुहैया गई हो, से धारातक द्वारा खोले जाने वाले साख्खपत्र के माध्यम से किये जा सकते हैं। साख्खपत्रों में यह स्पष्ट रूप से संकेत होना चाहिये कि साख्खपत्रों का 85% एंजिम बैंक ऋण द्वारा वापस लिया जायेगा और शेष का 15% साख्खपत्र खोलने वाले बैंक द्वारा वापस किया जायेगा।
- (2) साख्खपत्र में एक उद्युक्त वापसा अनुदेश यह होगा कि यू.एस. संभरकों को अनुवन्ध 1 में सूचाबद्ध कुछ दस्तावेज प्रस्तुत करने पर भुगतान कर दिया जायेगा। संभरकों के साथ हुए अपने ठेके में लाइसेंसधारी को यह निर्दिष्ट कर देना चाहिये कि अनुवन्ध-1 में विनिर्दिष्ट दस्तावेज साख्खपत्र के अन्तर्गत बिल भुगतान समय भारतीय स्टेट बैंक न्यूयार्क को भेजने पड़ेंगे।
- (3) लाइसेंस के अधीन सभी भुगतान आयात लाइसेंस की वैधता अवधि जिससे लाइसेंस के अन्तर्गत साधारणतः अनुमति वृद्धि अवधि भी शामिल है, के भीतर पूरे करने पड़ेंगे किन्तु 31 अगस्त, 1984 के बाद नहीं।
- (4) दिये गये आदेशों/खाने गये साख्खपत्रों के तुरन्त से कितना लाइसेंस प्रयुक्त किया गया है इसकी प्रगति, वास्तविक आयात और एंजिम बैंक ऋण से लिये गये भुगतान और आगामी पोत-खान की सम्भावित निधि का भी संकेत देने हुए, दिये गये आदेशों की एक विवरणका साख्खपत्र खोलने वाली भारतीय स्टेट बैंक की शाखा को भेजनी चाहिये। पहली रिपोर्ट लाइसेंस

जागी होने की तारीख से 4 महीने के बाद भेजनी चाहिये या यदि आदेश देने का काम पूर्ण हो गया हो तो चार महीने में पहले भी भेजनी चाहिये और उसके बाद प्रत्येक महीने की पहली तारीख को भेजनी चाहिये।

9. माल का अन्तिम उपयोग इस क्रेडिट के अन्तर्गत प्रदान किये जाये लाइसेंस के मद्दे अतिव्यतीत माल केवल उमी निवेश के लिये उपयोग में लाया जायेगा जिसके लिये लाइसेंस प्रदान किया गया है।

10. विवाद यदि आयातक और संभरक के बीच कोई विवाद होगा तो वह साधारण व्यापार प्रणाली के अनुसार आयातक द्वारा सीधे ही पय किया जायेगा।

11. आगामी अनुदेश आयातक एक्जिम बैंक एम बी थार्ड लाइन आफ क्रेडिट के लिये समझौते के अन्तर्गत आयात लाइसेंसों के किसी एक और सभी मामलों से व्युत्पन्न या उनसे संबंधित और सभी आभारों का पूरा करने के लिये सरकार द्वारा जारी किये गये निदेशकों अनुदेशों या आदेशों का पूर्ण रूप से पालन करेगा।

12. उल्लंघन या अवहेलना उपर्युक्त निर्धारित शर्तों के किसी प्रकार के उल्लंघन या अवहेलना पर आयात एव निर्यात (नियन्त्रण) अधिनियम के अन्तर्गत उपयुक्त कार्रवाई की जायेगी।

मणि नारायणस्वामी,

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

अनुबन्ध—1

संभरक/आयातक द्वारा भेजे जाने वाले वस्तुवेत्र

(क) अमरीकी संभरक के साथ आयातक द्वारा निष्पादित क्रय सन्विदाओं (इसके बाद किये गये कोई भी संशोधन) को समस्त प्रतिया। ऐसी सन्विदाएं एक्जिम बैंक के अनुकूल होनी चाहिये और संयुक्त राज्य अमरीका के किसी भी लागू अधिनियम अथवा सार्वजनिक नीति के विरुद्ध नहीं हानी चाहिये।

(ख) इस बात का साक्ष्य कि आयातक ने विमदान के लिये केवल पात्र मदी पर ही ध्यान दिया है।

(ग) अमरीकी संभरक का नाम और पता और संभरित किये जाने वाले उत्पादों का विवरण और इसके साथ-साथ अमरीकी संभरक का प्रमाणपत्र जिसमें विनिर्देश की गई मदी के क्रय मूल्य का और अनुबन्ध-2 के अनुसार ऐसी मदी के अमरीकी मूल का दर्शाया जाये।

(घ) निर्यातित मदी संभरक और मद्यों के मूल्य को दर्शाने हुए अमरीकी संभरक का बीजक।

(ङ) भारत में निर्यातित मदी के वाहन को दर्शाने वाली पोत-नकाश बिल की एक प्रति।

अनुबन्ध—2

संभरक का प्रमाण-पत्र

निर्यात-आयात बैंक, संयुक्त राज्य अमरीका,

वार्शिंगटन, डी०सी० 20571

विषय :- एक्जिम बैंक क्रेडिट सं०

(देश का नाम)

(उधारकर्ता का नाम)

महोदय,

हमें समझते हैं कि हमारे बीजकों के अधीन आने वाले माल और सेवाओं की बिक्री जिनकी सूची यहां दी गई है :-

मध्या. दिनांक क्रेता का नाम और पता राशि

संयुक्त राज्य अमरीका निर्यात-आयात बैंक जो कि संयुक्त राज्य अमरीका का एक अधिकरण है के साथ साथ समझौते के अधीन स्थापित साख के द्वारा वित्तीय प्रबन्ध हो सकता है।

प्रमाण-पत्र

हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि उक्त बीजकों के अधीन आने वाले माल एवं सेवाएं जो हमारे द्वारा उद्गमित या विनिर्मित की गई थी या वे संयुक्त राज्य अमरीका में उद्गमित या विनिर्मित की गई थी या वे हमारे द्वारा उद्गमित या विनिर्मित नहीं की गई थी तो वे संयुक्त राज्य अमरीका के क्रेताओं से हमें प्राप्त हुई थी और यह कि जहां तक हमारी जानकारी और विश्वास है कोई भी, संघटक, भाग या संरचना, सेवाओं का मूल्य नहीं जाड़ा गया था या अन्य स्वरूप में (कच्चे माल को छोड़कर) संयुक्त राज्य अमरीका से बाहर उद्गमित या विनिर्मित नहीं किया गया था, किन्तु, हमने यह अल्पतम राशि शामिल नहीं है जिसे इसके साथ दी गई अनुसूची में विस्तृत रूप से निर्धारित कर दिया है।

हम एतद्वारा आगे यह प्रमाणित करते हैं कि हमने उक्त बीजकों के अधीन बिक्री या माल और सेवाओं की बिक्री के लिये किसी भी प्रकार की सविदा प्राप्त करने या श्रृण की स्थापना या उसके परिचालन (एक्जिम बैंक द्वारा इससे सम्बन्धित किसी भी प्रारम्भिक सौदे सहित) के संबंध में किसी भी प्रकार की छूट, बट्टा, कमीशन, शुल्क या अन्य भुगतान की स्वीकृति नहीं दी है, अदा नहीं किया है या स्वीकृति देने या अदा करने के लिये सहमत नहीं दी है, किन्तु हमने निम्नलिखित शामिल नहीं है :-

1. क्रेता के लिये उक्त बीजक में बताई गई कोई कटौती, घटा या बट्टा।

2. हमारे पूर्ण कालिक नियमित कर्मचारियों की उनकी नियमित क्षति पूर्ति की सीमा तक देय धनराशि।

3. सामान्य व्यापार के दौरान हमारे नियमित बिक्री अधिकारियों या बिक्री प्रतिनिधियों को देय नियमित कमीशन या शुल्क और वह धन राशि, उद्देश्य और प्राप्त कर्ता के रूप में हमारी पुस्तकों और रिकार्ड में शीघ्र अभिदेय है।

4. निम्न प्रकार से अन्य भुगतान।

आदाता या वांछित आदाता पता राशि

(यदि कोई नहीं हो तो इस प्रमाण-पत्र को पूर्ण संमझने के लिये क्रमानुसार "कोई नहीं" शब्द अवश्य जोड़ दिया जाये। यदि किसी आदाता का नाम दिया जाता है तो, सेवाओं की किस्म और सीमा और भुगतान के परिकलन के तरीके को दर्शाने वाली विवरणिका अवश्य सलग्न कीन की जाये।

हम यह समझते हैं कि एक्जिम बैंक उक्त बीजकों के अन्तर्गत आने वाले ऐसे माल और सेवाओं के किसी भी, भाग की बिक्री के विनिर्देश के लिये किसी भी प्रकार के वाणिज्य के अधीन नहीं है जो संयुक्त राज्य अमरीका से भिन्न मूल की हो या विनिर्मित हों या जिन्हें हमने संयुक्त राज्य अमरीका से बाहर के क्रेताओं से प्राप्त किया हो और यह कि उक्त उप-कंडिका —4 में बता दिये गये सभी भुगतान एक्जिम बैंक के अनुसार हैं।

(संभरक का नाम और पता)

द्वारा

(प्राधिकृत प्रतिनिधि)

(छपा हुआ नाम)

ओहवा

यह प्रमाण-पत्र संभरक के किसी वरिष्ठ अधिकारी जैसे अध्यक्ष, उप-अध्यक्ष खजानची या महायुक्त खजानची द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना

चाहिये। यदि अन्य कोई व्यक्ति हस्ताक्षर करना है तो साथ ही साथ प्रमाण-पत्र के साथ आवश्यक संज्ञा चाहिये।

MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No 53-11C (PN)/80

New Delhi the 31st December 1980

IMPORT TRADE CONTROL

Subject: Procedure for import of Capital Goods against US Exim Bank line of credit of US \$ 8.5 million to the State Bank of India for on lending to India Importers —

File No. IPC/23(11)/80—The US Exim Bank has made available a line of credit for an amount of US \$ 8.5 million in favour of State Bank of India which will be utilised by the State Bank of India to assist Indian importers in both the public and private sector to finance imports from USA of non military capital equipment of US manufacture/origin

2 The last date for approving a loan by Exim Bank under this line of credit is 31-8-1981 and last date for disbursement is 31-8-1984

3 Loans may be granted by the SBI to Industrial units for financing part of cost of imports of Capital equipment of US manufacture/origin required for their new projects as well as for expansion, diversification modernization etc. Disbursements under the Exim loan will not exceed 85 per cent of the purchase price of the equipments and the importer will have to effect cash payment of not less than 15 per cent of purchase price

4 The minimum limit fixed by Exim Bank for the cost of relevant items is US \$ 200,000

5 Each request for disbursement except for the final instalment shall be for not less than US \$ 100,000

6 The terms and conditions governing the issuance of the import licences financed under this credit are set out below :

- (i) Irrespective of the size of the borrowing unit/value of import licence applications for the import of capital goods against this credit will be considered by Capital Goods Committee/Capital Goods Ad hoc Committee
- (ii) Industrial units desirous of making use of the facility under this credit will apply to any branch of the State Bank of India either direct or through their own banks for sanction of loan
- (iii) The Chief Controller of Imports & Exports will issue import licence in favour of the applicant only after import of capital goods has been cleared by the CG Committee/CG Ad hoc Committee and a loan under the line of credit has been sanctioned by the State Bank of India
- (iv) Each import licence will bear the identification mark "US Exim Bank/SBI loan" followed by the year in which the licence is issued and then followed by a SI No. which is to be given consecutively. The import licence will stipulate that the goods to be financed under the import licence must be acquired from USA
- (v) The import licence would be endorsed to the effect that 15 per cent of the value of the goods will be remitted through normal banking channels out of free foreign exchange and balance of 85 per cent will be paid out of the foreign currency loan obtained under SBI Exim line of credit
- (vi) After the import licence is obtained, the importer will have to approach Exchange Control Department of Reserve Bank of India through SBI for availing a foreign currency loan out of the line of credit

(vii) Firm orders must be placed on CIF or C&F basis, within four months of the date of issue of the import licence. If more than one purchase order/contract is placed under the import licence each such purchase order/contract should contain an identification mark

If orders are not placed within four months the licensee should apply to licensing authorities immediately thereafter (i.e. in the first week of fifth month) with adequate justification for suitable extension in the period of ordering. The licensing authorities will extend the validity period for ordering up to a suitable date after considering the application on merits

In cases where orders have not been placed for the full value of the licence within 4 months extension of the period of ordering will have to be obtained for the balance value which is not covered by orders placed within the prescribed period of four months

(viii) The import licence will be issued with an initial validity period of 12 months within which the shipment should be completed

(ix) The authorised dealers in foreign exchange will exercise necessary checks to ensure that the licensee complies with the requirements of placing orders within four months (or any extended period allowed by the licensing authorities) before any letter of credit is opened by them in this behalf

(x) The items financed should be used in India and not exported to any other country

7 Payments under the Licence

(a) Payments for goods should be made in accordance with the procedure explained in para 8 below. Contracts concluded with foreign suppliers must specify the mode of payment and also the documentation required to be furnished by the suppliers to the SBI, New York as per procedure described in para 8 below

(b) Payments for the cost of goods acquired shall be made in US dollars

(c) Payments on account of Indian Agent's Commission are to be made in Indian rupees. This, however, will be charged to the import licence

(d) Shipments should take place on vessels of United States registry, unless this requirement is waived by the United States Maritime Administration. Even if a waiver is granted to permit shipment on non-US vessels, the cost of freight on non-US vessels is ineligible for financing. Licensees should specify this in their contracts with the suppliers. In the event of obtaining such waiver, efforts should be made first to ship the items on Indian Vessels to the extent such vessels are available at competitive and reasonable rates of freight. In respect of goods carried by Indian flag vessels payments are to be made in Indian rupees. This payment, however, will be debited to the value of import licence

(e) Insurance against marine and transit hazards should be obtained on items for 100 per cent of the value for the items shipped. Premium for insurance against these hazards shall be eligible to be financed only with respect of policies of insurance payable in dollars and placed with US Companies in the United States

8 Detailed payment procedure —

(1) The payments to US suppliers can be made through letters of credit to be opened by the importers through any of SBI Branches in India and advised to the suppliers through SBI New York. The letters of credit should clearly indicate that 85 per cent of the LC would be reimbursable by Exim Bank loan and that the balance of 15 per cent would be reimbursed by the opening Bank

(2) The LC will contain a suitable reimbursement instruction that the US supplier will be paid on pre

sentation of certain documents listed in Annexure I. The licensee should specify in his contract with the supplier that the documents specified in Annexure I are required to be furnished to SBI New York at the time the bills are drawn under the letter of credit.

- (3) All payments under the licence have to be completed within the validity period of the import licence including the grace period normally permitted under the licence, but not later than August 31, 1984.
- (4) Statement of orders placed should be sent to the branch of SBI opening the LC indicating the progress of utilisation of licence by way of orders placed/letters of credits opened, actual imports and payments made out of Exim Bank loan and also expected dates of future shipment. The first report should be sent after 4 months from the date of issue of licence of earlier if the ordering is completed and thereafter on the 1st of every month.

9. End-use of goods.—The goods acquired against the licence granted under this credit shall be used exclusively in carrying out the investment for which the licence is obtained.

10. Disputes.—Disputes, if any, that may arise between the importers and suppliers shall be settled direct by the importer in accordance with the normal trade practices.

11. Future Instructions.—The importers shall promptly comply with the directions, instructions or orders issued by the Government regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licences and for meeting all obligations under the Agreement for the Exim Bank—SBI line of credit.

12. Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth above will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

MANI NARAYANSWAMY, Chief Controller of
Imports and Exports

ANNEXURE I

Documents to be furnished by supplier/importer

(a) Conformed copies of purchase contracts (with any amendments thereto) executed by the importer with the U.S. supplier. Such contracts must be satisfactory to Eximbank and not contravene any applicable statute or public policy of U.S.A.

(b) Evidence that the importer has made expenditure for only items eligible for financing.

(c) US supplier's name and address with description of products to be supplied together with the US Supplier's Certificate as to purchase price of the items financed and the US origin of such items as per Annexure II.

(d) The US Supplier's Invoice identifying the items exported, the supplier and the cost of the items.

(e) A copy of the Bill of Lading identifying the carrier of the items exported to India.

ANNEXURE II

Supplier's Certificate

19

EXPORT-IMPORT, BANK OF THE UNITED STATES
WASHINGTON, D.C. 20571

Subject : Eximbank Credit No. (Name of Country)
(Name of Borrower)

Dear Sirs,

We understand that the sale of the goods and services covered by our invoices here listed :

Number	Date	Name and Address of Buyer's	Amount
--------	------	-----------------------------	--------

may be financed through Credits established under a Credit Agreement with the Export-Import Bank of the United States, an agency of the United States of America.

CERTIFICATE

We hereby certify that the goods and services covered by said invoices which were originated or manufactured by us were originated or manufactured in the United States, or if not originated or manufactured by us, were acquired by us from sources in the United States, and that to the best of our knowledge and belief no component part or value added by fabrication, services or otherwise (exclusive of raw materials, was originated or manufactured outside the United States, except for a minimal amount, which we have set fourth in detail in a schedule attached hereto.

We hereby further certify that we have not granted, paid or agreed to grant or pay any discount, allowance, rebate, commission, fee, or other payment in connection with the sale of or the obtaining of any contract to sell the goods and services covered by the said invoices or with the establishment or operation of the Credits (including any preliminary Commitment relating thereto issued by Eximbank), except :

1. Any discounts, allowances or rebates to the buyer which are disclosed in said invoices ;

2. Amounts payable to our regular full-time employees to the extent of their regular compensation;

3. Regular commissions or fees paid in the ordinary course of business to our regular sales agents or sales representatives and readily identifiable on our books and records as to amount, purpose and recipient;

4. Other payments, as follows :

Payee or Intended Payee	Address	Amount
-------------------------	---------	--------

(If none, the word "none" must be inserted in order for this certificate to be considered complete. If any payee is named, a statement must be attached showing the nature and extent of the services and the method of computation of the payment).

We understand that Eximbank is under no obligation to finance the sale of any part of the goods and services covered by said invoices which is of non-U.S. origin or manufacture or which was acquired by us from sources outside the United States, and that all payments disclosed in subparagraph 4 above must be satisfactory to Eximbank.

(Name and Address of Supplier)

By _____
(Authorised Representative)*

(Print Name)

Title _____

*This Certificate must be signed by a senior officer of the supplier, such as the President, a Vice President, the Treasurer or an Assistant Treasurer. If any other individual signs, evidence or his authority must be submitted with this Certificate.

